स्व. सन्तोष कंवर स्मारक

हिमोत्कर्ष राष्ट्रीय एकात्मकता महिला सशक्तिकरण पुरस्कार 2016 से सम्मानित

डॉ. नीलिमा कामराह

प्रशस्ति – पत्र

शिक्षा पद्धति को आधुनिक विचार और तकनीक से पोषित करने वाली डॉ. नीलिमा कामराह का जन्म 24 सितम्बर, 1971 को हुआ था। आपने अपना व्यवसायिक जीवन एक प्रशिक्षित विज्ञान स्नातक अध्यापिका के रूप में 2 जनवरी, 1993 को राष्ट्र शक्ति विद्यालय हस्तसाल गांव से प्रारम्भ किया और सवा दो साल उपरान्त के.आई.आई.टी. वर्ल्ड स्कूल पीतमपुरा (सीनियर सैकेन्ड्री) दिल्ली में उपप्रधानाचार्य के रूप में सेवा ग्रहण की, जिस पद को आप वर्तमान में भी सुशोभित कर रही है तथा के.आई.आई.टी. ग्रुप ऑफ कालेज (बी. एड. व एम.एड.) गुड़गांव की रजिस्ट्रार भी हैं। आप की शैक्षिक योग्यता एम.एससी., एम.एड़, पी.एचडी. व 21 वर्ष का प्रशासनिक अनुभव आपके शिक्षण संस्थानों की बहु आयामी प्रतिभाओं को निखारने में विशेष भूमिका निभा रही है। आपके मार्ग दर्शन में विद्यालय ने विज्ञान प्रदर्शनियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, विज्ञान के मॉडल व प्रकल्पों ने प्रादेशिक स्तर पर व राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसनीय उपलब्धियां प्राप्त की हैं। शिक्षा के क्षेत्र में आपके सराहनीय योगदान को देखते हुए भारत विकास परिषद् शिक्षा सम्मान, डॉ. राधा कृष्ण स्मृति राष्ट्रीय शिक्षा सम्मान 1998, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सम्मान 2005, देहली स्टेट टीचर्ज अवार्ड 2007 द्वारा आपको विभूषित किया जा चुका है।

आप सीखने के लिए सदैव सचेत व सचेष्ट रही हैं – जिसके फलस्वरूप आपने ज्ञानोपार्जन हेतु स्वदेश व विदेश में अनेकों परिसंवादों, अध्ययन गोष्ठियों व कार्यशालाओं में भाग लिया ताकि विद्यार्थियों को अद्यतन शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराया जा सके। शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर आपके मूल्यवान आठ लेख एवम् शोध – पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

एक शिक्षाविद् ही नहीं एक श्रेष्ठ समाज सेविका की भूमिका भी निभा रही हैं। आप गांधी – दर्शन की प्रबल समर्थक हैं और आपका विश्वास है कि राष्ट्र का पुनरूत्थान गांधी दर्शन में ही निहित है। आप दिल्ली गांधी स्मार्क निधि, हरिजन संघ दिल्ली, विश्व नागरी विज्ञान संस्थान, अखिल भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा परिषद्, भूदान यज्ञ बोर्ड और गांधी स्मृति दर्शन समिति राजघाट से सम्बद्ध हैं और गांधी जी की विचारधारा को पुष्पित पल्लवित करने के लिए संकल्पित हैं। नारी सशक्तिकरण के लिये समर्पित रहकर श्रीमती नीलिमा कामराह का विशेष योगदान रहा है। शिक्षा के वैश्विक परिदर्शन अवलोकन हेतु आपने अनेक देशों के शैक्षणिक भ्रमण किए जिनमें – अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी, फ्रांस, इटली, स्विटजरलैंड, स्पेन, वैटिकन, सिंगापुर और आस्ट्रिया आदि मुख्य हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में आपकी उपलब्धियों से अभिभूत हो, हिमोत्कर्ष आपको **राष्ट्रीय स्व. सन्तोष कंवर स्मारक हिमोत्कर्ष राष्ट्रीय एकात्मकता महिला सशक्तिकरण पुरस्कार – 2016** से अलंकृत कर स्वयं को धन्य मानती है।

स्थान : ऊना

दिनांक : 17 – 4 – 2016

कंवर हरि सिंह, प्रदेशाध्यक्ष

हिमोत्कर्ष साहित्य संस्कृति

एवं जनकल्याण परिषद् ऊना (हि.प्र.)